नेपाल बॉर्डर रोड मार्च 2022 तक

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

552.29 किलोमीटर लंबे इंडो-नेपाल बॉर्डर रोड का निर्माण मार्च 2022 तक पूरा होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को इस रोड का एरियल सर्वे किया जिसके दौरान पथ निर्माण विभाग द्वारा उन्हें यह जानकारी दी गई।

यह सड़क पश्चिम चंपारण के मदनपुर से शुरू होकर इंडो-नेपाल बॉर्डर के साथ-साथ किशनगंज के गलगलिया तक जाती है। यह राज्य के सात जिलों- प.चम्पारण, पू.चम्पारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया व किशनगंज से गुजरती है। इन सात जिलों के कुल 365 गावों में कुल 2894 एकड़ भूमि का अधिग्रहण होना है। अब तक 93 किमी सड़क का कार्य पूर्ण हो चुका है। परियोजना की लागत 1702 करोड़ केंद्र द्वारा वहन की जा रही है। राज्य सरकार भू-अर्जन में 2233 करोड़ तथा पुल निर्माण में 983 करोड़ खर्च कर रही है। परियोजना के सुपौल जिले में पड़ने वाला हिस्सा भपटियाही से वीरपुर का एरियल सर्वे भी सीएम ने किया। वहां दो लेन का पथ बन गया है। सीएम ने अन्य जिलों के काम में भी तेजी लाने का निर्देश दिया।

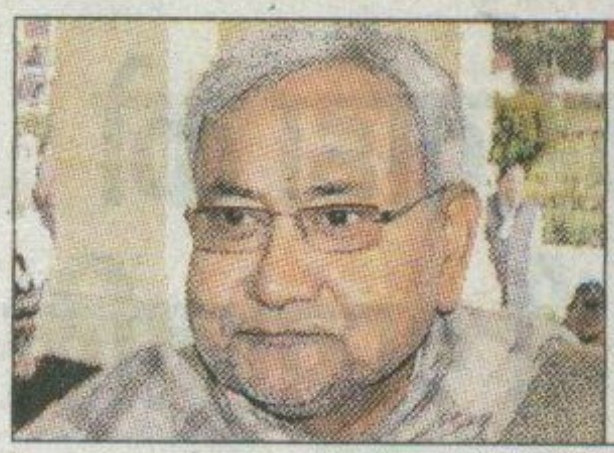

मुआयना

- मुख्यमंत्री ने 552 .29 किमी लंबी इस सड़क का हवाई सर्वे किया
- बिहार के सात जिलों से होकर गुजरता है इंडो-नेपाल बॉर्डर रोड

मिथिला पेंटिंग से ... पेज 16